DEPARTMENT OF HINDI

SYLLABUS FOR FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME

FIRST AND SECOND SEMESTER

(APPROVED BY ACADEMIC COUNCIL VIDE RESOLUTION NO. 3, DATED: **04 – 07 – 23**)

ARYA VIDYAPEETH COLLEGE (AUTONOMOUS)

ARYA NAGAR, GUWAHATI – 16

INDEX

Serial No	Content	Page No.
1	Structure of Four Year Undergraduate Course	1
2	Semester Wise Credit Distribution	2
3	List of Papers	3
4	First Semester Syllabus	4
5	Second Semester Syllabus	10

Structure of Four Year Undergraduate Course

Semester	Type	Core	Minor	SEC	IDC	AEC	VAC/FC	IN
	Credit	4	4	3	3	2	4(2 + 2)	2
I		CE-1114	MN-1114	SE-1113	ID-1113	AE-1112	VL-1112 (Two Courses)	-
II		CE-2114	MN-2114	SE-2113	ID-2113	AE-2112	VL-2112 (Two Courses)	-
III		CE-3214	MN-3214	SE-3213	ID-3213	AE-3212	-	-
		CE-3224						
IV		CE-4214	MN-4214	-	-	AE-4212	-	IN-4212
		CE-4224						
		CE-4234						
V		CE-5314	MN-5214	-	-	-	-	-
		CE-5324						
		CE-5334						
		CE-5344						
VI		CE-6314	MN-6214	-	-	-	-	-
		CE-6324						
		CE-6334						
		CE-6344						
VII		CE-7414	MN-7314	-	-	-	-	-
		CE-7424						
		CE-7434						
		CE-7444						
VIII		CE-8414	MN-8314	-	-	-	-	-
		CE-8424**						
		CE-8434**						
		CE-8444**						

****Students who secure more than 7.5 CGPA at the end of third year (6th semester) may opt for a research dissertation of 12 credits instead of the three core papers.**

Course code: **First two letters is the abbreviation of course component**

First digit implies semester number

Second digit implies course level

Third digit implies course number

Fourth digit implies credit points per course.

Digit	Course Level
1	100 - 199
2	200 - 299
3	300 - 399
4	400 - 499

Semester Wise Credit Distribution

Semester	CREDIT DISTRIBUTION							
	CORE	MINOR	SEC	AEC	IDC	VAC/FC	IN	TOTAL
FIRST	1 x 4	1 x 4	1 x 3	1 x 2	1 x 3	2 x 2	--	20
SECOND	1 x 4	1 x 4	1 x 3	1 x 2	1 x 3	2 x 2	--	20
THIRD	2 x 4	1 x 4	1 x 3	1 x 2	1 x 3	--	--	20
FOURTH	3 x 4	1 x 4	--	1 x 2	--	--	1 x 2	20
FIFTH	4 x 4	1 x 4	--	--	--	--	--	20
SIXTH	4 x 4	1 x 4	--	--	--	--	--	20
SEVENTH	4 x 4	1 x 4	--	--	--	--	--	20
EIGHT	4 x 4	1 x 4	--	--	--	--	--	20

SEC: SKILL ENHANCEMENT COURSE

AEC: ABILITY ENHANCEMENT COURSE

IDC: INTERDISCIPLINARY COURSE

VAC/FC: VALUE ADDED COURSE

IN: INTERNSHIP

Abbreviation of Course Components:

CE (Core), MN (Minor), SE(Skill Enhancement Course), AE (Ability Enhancement Course), VL (Value added Course), ID (Interdisciplinary Course), IN (Internship)

LIST OF PAPERS:

MINOR:

1. **हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) (HN – MN – 1114)**
2. **हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (HN – MN – 2114)**

SKILL ENHANCEMENT COURSE:

1. **अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि (HN – SE – 1113)**
2. **कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद (HN – SE – 2113)**

MULTIDISCIPLINARY/INTERDISCIPLINARY COURSE:

1. **हिंदी सिनेमा और साहित्य (HN – ID – 1113)**
2. **लोक साहित्य (HN – ID – 2113)**

ABILITY ENHANCEMENT COURSE:

1. **हिंदी व्याकरण (HN - AE- 1112)**
2. **हिंदी भाषा : संप्रेषण और संचार (HN - AE- 2112)**

FIRST SEMESTER

PAPER NAME: हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
PAPER CODE: HN – MN – 1114
Total Credits: 4 (Theory: 3 + Practical/Tutorial: 1)

THEORY: 3 CREDITS

Total Lectures: 45

COURSE OBJECTIVE:

- *हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी उपलब्ध कराना*
- *प्रमुख इतिहास ग्रंथों से परिचय करवाना*
- *हिंदी साहित्य के इतिहास के आदिकाल और मध्यकाल का परिचय देना*

COURSE OUTCOME:

- *हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान*
- *इतिहास ग्रंथों का विश्लेषण*
- *आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी साहित्य सामग्रिक ज्ञान प्राप्त होगा*

Unit- I:हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन(Lectures: 11)

हिंदी साहित्येतिहास दर्शन, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण।

Unit- II:आदिकाल(Lectures: 11)

सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, आदिकाल के प्रमुख कवि, सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक साहित्य ।

Unit- III: भक्तिकाल (Lectures: 11)

सीमांकन, परिस्थितियाँ, भक्ति आंदोलन, भक्तिकाल के प्रमुख कवि, संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा, रामभक्ति काव्यधारा, कृष्ण भक्ति काव्यधारा।

Unit- IV:रीतिकाल(Lectures: 12)

सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, रीतिकाल के प्रमुख कवि, रीतिबद्ध काव्यधार, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा।

RECOMMENDED BOOKS:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र (संपादक), नेशनल पाब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (प्रथम खंड) – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य (भाग 1 और 2) – डॉ. धीरेंद्र वर्मा(संपा), भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद

PAPER NAME: अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि

PAPER CODE: HN – SE – 1113

Total Credits: 3 (Theory: 2 + Project/Practical/Tutorial: 1)

THEORY: 2 Credits

TOTAL LECTURES: 30

COURSE OBJECTIVE:

- *अनुवाद के सैद्धांतिक पक्ष से परिचय करवाना।*
- *सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की प्रक्रिया से अवगत कराना।*
- *अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।*

COURSE OUTCOME:

- *अनुवाद का सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।*
- *सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की प्रक्रिया को समझेंगे।*
- *व्यावहारिक अनुवाद के माध्यम से अनुवाद कौशल का विकास होगा।*

Unit I:अनुवाद : अवधारणा, प्रकृति एवं प्रक्रिया(Lectures: 10)

अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद की प्रक्रिया- पाठ पाठन, पाठ-विश्लेषण, भाषांतरण, पाठ-समायोजन, सफल अनुवाद के सिद्धांत/अनुवादक के गुण, अनुवाद : विज्ञान, कला या शिल्प

Unit II:विविध विधाओं के अनुवाद का सैद्धांतिक पक्ष(Lectures: 10)

सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद (पद्य का अनुवाद, गद्य का अनुवाद, पद्यानुवाद एवं गद्यानुवाद में अंतर), सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ

Unit III:व्यावहारिक अनुवाद(Lectures: 10)

अंग्रेज़ी-हिंदी-अंग्रेज़ी, हिंदी-असमीया-हिंदी

RECOMMENDED BOOKS:

1. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद संवेदना और सरोकार – डॉ. सुरेश सिंहल, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद एवं कार्यालयीन हिंदी – डॉ. हरदीप कौर (संपा), इउ एस आइ प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अनुवाद सुधा (भाग-1) – डॉ. अच्युत शर्मा, शब्द भारती, गुवाहाटी

6. अनुवाद सुधा (भाग-2) – डॉ. अच्युत शर्मा, शब्द भारती, गुवाहाटी

PAPER NAME: हिंदी सिनेमा और साहित्य

PAPER CODE: HN – ID – 1113

Total Credits: 3 (Theory)

THEORY

Total Lectures: 45

COURSE OBJECTIVE:

- *विद्यार्थियों को साहित्य और सिनेमा के संबंधों से अवगत कराना*
- *साहित्य और सिनेमा की ताकत से परिचय कराना*
- *फ़िल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत कराना*

COURSE OUTCOME:

- *सिनेमा के तकनीकी पक्ष को जानेंगे*
- *हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा का ज्ञान प्राप्त करेंगे*
- *फ़िल्मातंरण के माध्यम से सिनेमा और साहित्य के अंतर्संबंध से परिचय प्राप्त करेंगे*

Unit-I:सिनेमा:स्वरूप विवेचन(Lectures: 15)

सिनेमा की परिभाषा, सिनेमा के प्रकार, सिनेमा में अंतर्निहित तत्व (सिनेमा का तकनीकी पक्ष, सिनेमा का कला पक्ष)

Unit-II:हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास(Lectures: 15)

हिंदी सिनेमा की यात्रा, हिंदी सिनेमा का बदलता स्वरूप

Unit-III:साहित्यिक कृतियों के सिनेमा रूपांतरण (Lectures: 15)

साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध, साहित्य के फिल्मांतरण और समस्याएँ, हिंदी उपन्यास एवं कहानियों के सिनेमा रूपांतरण (तमस, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम)

RECOMMENDED BOOKS:

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सिनेमा : कल, आज और कल – विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. सिनेमा, नया सिनेमा – ब्रजेश्वर मदान, सुबोध पॉकेट बुक्स, दिल्ली
4. हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन – डॉ. रमा, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी सिनेमा की यात्रा – पंकज शर्मा (संपा), अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली
6. साहित्य और सिनेमा – शत्रुघ्न प्रसाद, रुद्र पाब्लिसर्स

PAPER NAME: हिंदी व्याकरण

PAPER CODE: HN – AE – 1112 (Communication – 1)

Total Credits: 2 (Theory)

THEORY

Total Lectures: 30

COURSE OBJECTIVE:

- *हिंदी की वर्ण-व्यवस्था से परिचय करवाना*
- *हिंदी व्याकरण के तत्वों से अवगत करना*
- *शब्द एवं वाक्य की शुद्धता को सिखाना*

COURSE OUTCOME:

- *हिंदी की वर्ण-व्यवस्था पर सामग्रिक ज्ञान प्राप्त करेंगे*
- *हिंदी व्याकरण के ज्ञान के माध्यम से भाषिक शुद्धता से अवगत होंगे*

Unit-I: (Lectures: 15)

हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर और व्यंजन, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय का परिचय

Unit-II: (Lectures: 15)

उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्द के लिए एक शब्द, शब्द–शुद्धि, वाक्य शुद्धि

RECOMMENDED BOOKS:

1. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
2. हिंदी व्याकरण–विमर्श – तेजपाल चौधारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण एवं रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
4. सुबोध हिंदी व्याकरण – डॉ. एस. ए. मंजुनाथ, नोसन प्रेस, चेन्नई
5. परिष्कृत हिंदी व्याकरण – बदरीनाथ कपूर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
6. मानक हिंदी का व्यवहारपरक व्याकरण – रमेशचंद्र महरोत्रा, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
7. मानक हिंदी का पारंपरिक व्याकरण – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर
8. हिंदी भाषा एवं व्याकरण – डॉ. आर. पी. वर्मा, सुभाषिनी मिश्रा, कांति प्रकाशन, दिल्ली

SECOND SEMESTER

PAPER NAME: हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)

PAPER CODE: HN – MN – 2114

Total Credits: 4 (Theory: 3 + Practical/Tutorial: 1)

THEORY: 3 Credits

TOTAL LECTURES: 45

COURSE OBJECTIVE:

- *हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी उपलब्ध कराना*
- *प्रमुख इतिहास ग्रंथों से परिचय करवाना*
- *भारतीय नवजागरण के साथ आधुनिक हिंदी कविता की विभिन्न धाराओं से परिचय करवाना*

COURSE OUTCOME:

- *हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान*
- *इतिहास ग्रंथों का विश्लेषण*
- *आधुनिक हिंदी कविता की विभिन्न धाराओं की विशेषताओं के साथ-साथ कवियों का परिचय प्राप्त करेगा*

Unit- I: (LECTURES: 15)

सीमांकन, परिस्थितियाँ, आधुनिक एवं आधुनिकता के तात्पर्य, भारतीय नवजागरण

Unit-II: (LECTURES: 10)

भारतेंदुयुगीन कविता,द्विवेदीयुगीन कविता, छायावाद

Unit-III: (LECTURES: 10)

हालावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

Unit-IV: **(LECTURES: 10)**

नई कविता, समकालीन कविता, हिंदी खड़ीबोली गद्य का विकास

RECOMMENDED BOOKS:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र (संपादक), नेशनल पाब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (प्रथम खंड) – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य (भाग 1 और 2) – डॉ. धीरेंद्र वर्मा(संपा), भारतीय हिंदी परिषद, इलाहाबाद

PAPER NAME: कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद

PAPER CODE: HN – SE – 2113

Total Credits: 3 (Theory: 2 + Project/Practical/Tutorial: 1)

THEORY: 2 Credits

Total Lectures: 30

COURSE OBJECTIVE:

- *कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को दर्शाना*
- *कार्यालयों के सरकारी पत्राचारों से परिचय कराना*
- *पारिभाषिक शब्दावली का सामान्य ज्ञान देना*
- *विभिन्न सरकारी पत्रों के अनुवाद कार्य से अवगत कराना*

COURSE OUTCOME:

- *कार्यालयों में हिंदी की स्थिति के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त करेंगे*
- *कार्यालयों में हिंदी पत्राचार की प्रक्रिया से अवगत होंगे*
- *सरकारी पत्राचारों के अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे*

UNIT:1 (10 Hours)

टिप्पण, आलेखन, प्रारूपण, सरकारी पत्राचार (शासकीय पत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन, अर्धशासकीय पत्र,कार्यालयी आदेश, अधिसूचना, अनुस्मारक, परिपत्र, प्रेस नोट)

UNIT:2 (10 Hours)

पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, स्वरूप और विस्तार, पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ, पारिभाषिक शब्दावली का वर्गीकरण

UNIT: 3 (10 Hours)

विविध सरकारी पत्रों(शासकीय पत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन, अर्धशासकीय पत्र,कार्यालयी आदेश, अधिसूचना, अनुस्मारक, परिपत्र, प्रेस नोट) के अनुवाद, पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद

RECOMMENDED BOOKS:

1. अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
3.राजभाषा हिंदी – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. राजभाषा हिंदी विकाश के विविध आयाम–डॉ. मालिक मुहम्मद, प्रवीण प्रकाशन
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. एस. ए. मंजुनाथ, नोसन प्रेस, चेन्नई
6.प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ. माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. बी. एन. पांडेय, किताब महल, दिल्ली
9.कार्यालयीन हिंदी – ठाकुर दास, जाह्नवी प्रकाशन, नई दिल्ली

PAPER NAME: लोक साहित्य

PAPER CODE: HN – ID – 2113

Total Credits: 3 (THEORY)

Total Lectures: 45

COURSE OBJECTIVE:

- *लोक साहित्य और लोक संस्कृति की अवधारणाओं से अवगत कराना*
- *लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति अंतर्संबंध से परिचय करवाना*
- *लोक साहित्य के प्रकारों का आभास देना*
- *असमीया लोक साहित्य एवं लोक जीवन से अवगत कराना*

COURSE OUTCOME:

- *लोक साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे*
- *लोक साहित्य के प्रकारों पर सामग्रिक आभास मिलेगा*
- *असमीया लोक साहित्य एवं लोक जीवन का ज्ञान प्राप्त करेंगे*

Unit- I: लोक की अवधारणा एवं लोक साहित्य (LECTURES: 15)

लोक की अवधारणा, लोक साहित्य का अर्थ और स्वरूप, लोक साहित्य का क्षेत्र, लोक संस्कृति और लोक साहित्य, लोक साहित्य के अध्ययन की पद्धतियाँ एवं चुनौतियाँ

Unit-II: लोक साहित्य के प्रकार (LECTURES: 15)

लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य एवं लोक सुभाषित

Unit-III: असम का लोक साहित्य (LECTURES: 15)

असम का लोक–जीवन, असमीया लोक साहित्य के विविध रूप(लोकगीत, लोककथा, मिथक लोक सुभाषित, लोकवाद्य, लोक नृत्य), असम के लोक साहित्य की सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ

RECOMMENDED BOOKS:

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा
2. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

3. लोक साहित्य के विविध आयाम – वीणा दाधे, अमन प्रकाशन, कानपुर
4. असमर संस्कृति कोष – डॉ. परमानंद राजवंशी(संपा), ज्योति प्रकाशन, गुवाहाटी
5. लोकगीतों के संदर्भ और आयाम – डॉ. शांति जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. असमीया लोकसंस्कृतिर आभास – डॉ. नवीन चंद्र शर्मा, वाणी प्रकाश, गुवाहाटी

PAPER NAME: हिंदी भाषा: संप्रेषण और संचार

PAPER CODE: HN – AE – 2112 (Language – 1)

Total Credits: 2 (Theory)

THEORY

Total Lectures: 30

COURSE OBJECTIVE:

- *संप्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना*
- *संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना*
- *प्रभावी संप्रेषण का गुण विकसित करना*
- *विद्यार्थियों की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना*

COURSE OUTCOME:

- *संप्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे*
- *संप्रेषण की तकनीअक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ का विकास*
- *प्रभावी संप्रेषण करना सीखेंगे*
- *पत्र-लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे*

Unit-I: संप्रेषण: सामान्य परिचय (15 Hours)

संप्रेषण : अवधारणा, प्रक्रिया, महत्व, विविध आयाम, संप्रेषण और संचार

Unit-II: संप्रेषण और संचार के विविध रूप(15 Hours)

संप्रेषण के प्रकार, सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना, अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन, संपादकीय लेखन

RECOMMENDED BOOKS:

1. हिंदी भाषा संप्रेषण और संचार –डॉ. अनिरूद्ध कुमार 'सुधांशु' और डॉ. महन्थी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी व्याकरण एवं संप्रेषण – डॉ. अलका वशिष्ठ, अजय गोयल, साहित्य सरोवर
3. संप्रेषण कौशल– डॉ.अवनीश कुमार मिश्रऔर डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स
4. हिंदी व्याकरण–विमर्श – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5. परिष्कृत हिंदी व्याकरण – बदरीनाथ कपूर, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
6. मानक हिंदी का व्यवहारपरक व्याकरण – रमेशचंद्र महरोत्रा, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
7. मानक हिंदी का पारंपरिक व्याकरण – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर
8. हिंदी भाषा एवं व्याकरण – डॉ. आर. पी. वर्मा, सुभाषिनी मिश्रा, कांति प्रकाशन, दिल्ली